Ambe Tu Hai Jagdambe Kali lyrics

अम्बे तू है जगदम्बे काली
जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेरे ही गुण गाये भारती
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती।

तेरे भक्त जनो पर
भीर पडी है भारी माँ
दानव दल पर टूट पडो
माँ करके सिंह सवारी
सौ-सौ सिंहो से बलशाली,
अष्ट भुजाओ वाली,
दुष्टो को पलमे संहारती
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती...

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ...

माँ बेटे का है इस जग मे,
बडा ही निर्मल नाता
पूत - कपूत सुने है पर न,
माता सुनी कुमाता
सब पे करूणा दरसाने वाली,
अमृत बरसाने वाली,
दुखियो के दुखडे निवारती
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती...

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती...

नही मांगते धन और दौलत,

न चांदी न सोना माँ
हम तो मांगे माँ तेरे मन मे,
इक छोटा सा कोना
सबकी बिगडी बनाने वाली,
लाज बचाने वाली,
सतियो के सत को सवांरती
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती...

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती...

ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती
चरण शरण में खड़े तुम्हारी,
ले पूजा की थाली

वरद हस्त सर पर रख दो मां
संकट हरने वाली,
मां भर दो भक्ति रस प्याली,
अष्ट भुजाओं वाली

भक्तों के कारज तू ही सारती,
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।